



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 595] नई दिल्ली, बुधवार, नवम्बर 8, 1989/कार्तिक 17, 1911
No. 595] NEW DELHI, WEDNESDAY, NOVEMBER 8, 1989/KARTIKA 17, 1911

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

जन-नृत्तय परिचय मन्त्रालय

(पन्त पक्ष)

नई दिल्ली 9 नवम्बर 1989

सं. 100 (ख) -- महपलन आधिनियम 1963 (1963 का अधिनियम 34) की धारा 13 का उद्देश्य (1) के साथ पठित धारा 14 का उद्देश्य (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए कर्त्तव्य मन्त्रालय द्वारा बम्बई पन्त न्याय (स्टाडिस्टिक) का नोटिफिकेशन और सबद मामले) सभाधन विनियम 1989 को जो उक्त अधिनियम की धारा 13 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए बम्बई पन्त न्याय के अधीन मन्त्रालय द्वारा बनाए गए थे। जो न्याय मन्त्रालय सरकार के राजपत्र दिनांक 6 जुलाई 1989 तथा 13 जुलाई 1989 में प्रकाशित किए गए थे उक्त अधिनियम की मन्तव्य अधिनियम में दिए गए शर्तों के अनुसार गणनीय करने हुए अनुमोदित करना है।

अनुमोदित

मुबई पाट ट्रस्ट (स्टिवाडिस्टिक लाइसेंस और सबद मामले) सभाधन विनियम 1989 में और सभाधन करने के लिए मुबई पाट के विनियम

मन्त्रालय में प्रमुख बदरगाह अधिनियम 1963 (1963 का अधिनियम 34) की धारा 13 की उपधारा (एफ) में (ओ) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का उपयोग करते हुए निम्न सभाधन किए जा सकते हैं जो पन्तद्वारा प्रकाशित किए जाते हैं। उक्त अधिनियम की धारा 14 की उपधारा () की शर्तों के अनुसार यह प्रमाणित करने के लिए अधिकारों की जानकारी के लिए किया जा रहा है। यह सूचना दी जाती है कि कर्त्तव्य सभाधन के राजपत्र में प्रथम प्रकाशन का तिथि से 11 दिनों की अवधि को समाप्त पर या उसके बाद उक्त न्याय के मन्त्रालय अधिनियम का अधिनियम किया जाएगा, सभाधन निम्न प्रकार है --

1. इन विनियमों का मुबई पाट ट्रस्ट (स्टिवाडिस्टिक लाइसेंस और सबद मामले) सभाधन विनियम 1989 बना जाएगा

इनका प्रा. 1 सरकारी अनुमोदन अधिष्ठित राजपत्र में प्रकाशित होने की तिथि से ये विनियम लागू होंगे

3. इन विनियम 3 में वर्तमान उप विनियम (V) के बाद निम्न उपविनियम (VI) दिया जाएगा

(VI) स्टिवाडिस्टिक में लागू यह व्यक्ति जिसे विनियम 1 के अनुसार स्टिवाडिस्टिक लाइसेंस दिया गया है' तथा उक्त व्यक्ति की शर्तों के अधिनियम 15 द्वारा स्टिवाडिस्टिक है।

बी. विनियम 4 में वर्तमान उपविनियम (i) के बदले निम्न अनुच्छेद सम्मिलित किया जाएगा: "पोर्ट में खड़े जहाजों से विपक्षित मंडल की मालिकों के अथवा उनके अधिकार क्षेत्र में होने वाले घाट, पियर्स, स्क्वेज (गोदियों के बीच) माल उतारने-बढ़ाने अथवा स्टिबीडोरिंग के अन्य किसी कार्य में लगे व्यक्तियों फर्मों अथवा कंपनियों द्वारा आवेदन प्राप्त हो, तो अध्यक्ष जी दो वर्ष अथवा उनके मतानुसार अन्य संश्लिष्ट अवधि के लिए स्टिबीडोरिंग लाइसेंस जारी कर सकता है:

सी. विनियम 4 में उप विनियम (3) में

(i) खंड (ए) में "नौवहन कंपनियों/जहाज के चार्टरमें" इन शब्दों के बाद "माल के मालिक" ये शब्द शामिल किए जाएंगे,

(ii) वर्तमान खंड (बी) और (सी) की नये अनुक्रमांक (डी) और (ई) दिए जाएंगे और निम्न खंड (बी) और (सी) शामिल किए जाएंगे,

बी. उसमें विभिन्न वस्तुओं के निपटान के संबंध में समय-समय पर निर्धारित इनपूट/आउटपूट नामस का पालन किया है/ करेगा इसका सबूत देता है:

(सी) जहाज मालिक, जहाज प्रचालक, स्टीमर एजेंट तथा व्यापक और निर्यातक के लाइसेंस पाने के हकदार होंगे।

(iii) पुनः क्रमांक दिया गया खंड (डी) निम्न प्रकार है: (डी) वर्कमेंस कॉमिशन अधिनियम (सूत्रदूर प्रतिपूर्ति अधिनियम) 1923, पेमेंट ऑफ वेजेस एक्ट (वेतन सुगतान अधिनियम) 1936, इंडस्ट्रियल डिस्प्यूट्स एक्ट (औद्योगिक विवाद अधिनियम) 1947 और/अथवा उस समय लागू अन्य किसी कानून के अंतर्गत वह नियुक्त अधिकृत तथा अन्य कर्मचारी वगैरह के वेतन और प्रतिपूर्ति करने का अपना दायित्व पूरा कर पायेगा ऐसी उसकी आर्थिक स्थिति है इस बात का सबूत प्रस्तुत करता है:

(iv) पुनः क्रमांक दिये गये खंड में (इ) में उसकी नौकरी में ऐसा स्थूलतम कर्मचारी वर्ग "इन शब्दों के बदले" उसकी नौकरी में ऐसा स्थूलतम योग्यता प्राप्त कर्मचारी वर्ग और उसके पास स्थूलतम शिप्यर और सामग्री" ये शब्द रखे जाएंगे।

(v) पुनः क्रमांक दिए गए खंड (इ) के बाद निम्न खंड (एफ) शामिल किए जायें:

"(एफ) किसी अनुशासकीय शर्त का पूरा करने की दृष्टि से एक लाख रुपये की बैंक गारंटी प्रस्तुत करता है,

(बी) विनियम 5 में,

(i) दूसरी पक्ति में "मंडल" शब्द के बदले "अध्यक्ष" यह शब्द रखा जाय,

(ii) शर्त 13 के बाद निम्न अनुच्छेद शर्त 13 (ए) के रूप में सम्मिलित किया जाय:

"13(ए) मामले के स्वरूप को देखने हुए वह अपने मजदूरों को अवश्यक प्रतिबंधक सुखा सामग्री उपलब्ध कराएगा",

(iii) शर्त 18 के बाद निम्न 4 शब्द सम्मिलित किए जाय:

"19. वह अपने मजदूरों को उचित प्राधिकारी और पोर्ट एंड डॉक वर्कमेंस की फेडरेशनों के बीच समय-समय पर हुए वेतन समझौते की शर्तों के अनुसार वेतन देगा:

"20. अध्यक्ष जी की लिखित पूर्वनिर्णयित लिए अगर वह लाइसेंस के अंतर्गत उसे प्राप्त सुविधाएं अथवा

अथवा लाभ किसी दूसरे व्यक्ति को प्रदान अथवा स्थानांतरित नहीं करेगा",

इ. विनियम 6 में,

(i) प्रपत्र "ए" में उप विनियम (1) में--

स्टिबीडोरिंग लाइसेंस देना/उत्पन्न नवीनीकरण,

(ए) मद 4 में "स्टीमर/शोप/कंपनी के साथ" इन शब्दों के बाद "जहाज के चार्टर/माल के मालिक" ये शब्द लिखे जाय,

(बी) मद 8 में कोष्ठक में दिए शब्द "लाइसेंस के नवीनीकरण के मामले में लागू नहीं)" ये शब्द हटाये जाय,

(ii) वर्तमान उप विनियम (ii) के बदले निम्न अनुच्छेद शामिल किया जाय:

लाइसेंस दिए अथवा नवीन किए जाने से पहले आवेदन लाइसेंस फीस के रूप में 4,500 रु. अथवा अध्यक्ष जी द्वारा समय-समय पर निर्धारित फीस (राशि) का सुगतान करेगा, प्रत्येक लाइसेंस धारी स्टिबीडोरिंग लाइसेंस के अंतर्गत समस्त कार्य के उचित निष्पादन के लिए ब्याना राशि के रूप में 5,000 रु. की अमानत रखेगा, इस ब्याना राशि पर कोई सूच नहीं दिया जाएगा और लाइसेंस की अवधि समाप्त होने के बाद यदि उसके द्वारा मंडल को कुछ राशि देय हो तो उसका समायोजन करके ब्याना रकम लौटाई जायेगी।

(iii) वर्तमान विनियम (iii) की पुनः क्रमांक दे कर उसे उप विनियम (i) किया जाएगा, और निम्न अनुच्छेद उप विनियम (iii) के रूप में शामिल किया जाएगा:

"(iii) इन विधियों के अंतर्गत प्रदान किया गया अथवा नवीन बनवा गया हर लाइसेंस प्रपत्र "बी" में होगा"

(iv) पुनः क्रमांकित उप विनियम (iv) निम्न प्रकार लिखा जाएगा:

"(iv) लाइसेंस के नवीनीकरण के लिए आवेदन वर्तमान लाइसेंस की समाप्ति तिथि से कम से कम 3 महीने पहले दिये जायेंगे, यदि नवीनीकरण का आवेदन निर्धारित अवधि में प्राप्त नहीं होता, तो विनियम के प्रतिबंधित 50 रुपये अथवा अध्यक्ष द्वारा समय-समय पर निर्धारित राशि का लेट फीस के रूप में सुगतान करने पर आवेदन स्वीकार किये जा सकते हैं, बगैर कि नवीनीकरण का आवेदन और लागू लेट फीस गोदी प्रबंधक को लाइसेंस की समाप्ति की अवधि तिथि से पहले प्राप्त हो"

(v) पुनः क्रमांकित उप विनियम (iv) के बाद निम्न उप विनियम (v) सम्मिलित किया जाय:

"(v) यदि मूल लाइसेंस खो जाए अथवा फट जाय तो स्टिबीडोरिंग 100 रुपये का सुगतान करके दूसरे लाइसेंस के लिए गोदी प्रबंधक से आवेदन कर सकता है,

एफ. वर्तमान विनियम 10, 11, 12 की विनियम 11, 12, 13 ऐसे पुनः क्रमांकित किया जाय और निम्न विनियम 1 शामिल किया जाय:

"10. यदि कोई स्टिबीडोरिंग स्टिबीडोरिंग लाइसेंस की शर्तों—प्रतिबंधों का उल्लंघन करे, तो अध्यक्ष सरकार से रिपोर्ट करें और छानबीन होने तक यदि वे पोर्ट के दृष्टि से आवश्यक और

उचित समझे, तो अधिक से अधिक तीन महिनो तक स्टीवीडोअर का लाइसेंस निर्वहित कर सकते है।

जी. विनियम के उपखंड को छोड़कर बाकी पुनः क्रमांकित विनियम 11 के बदले निम्न विनियम लिखा जाए:

“11. लाइसेंस को किमी शर्त का उल्लंघन करने पर अथवा नीचे उल्लिखित बात के होने पर अध्यक्ष स्टीवीडोअर को दिया गया लाइसेंस उनके मतानुसार उचित अधि के लिए निर्वहित कर सकते है, अथवा रद्द कर सकते है,

- (i) सुरक्षा उपायों का उल्लंघन,
- (ii) कम उत्पादकता,
- (iii) स्टीवीडोअरिंग कार्य पर देख-रेख का अभाव,
- (iv) पैकेजिंग का अनुचित और अनुरक्षित रूप से निपटान,
- (v) तथ्यों का गलत प्रस्तुतिकरण अथवा गलत विवरण,
- (vi) स्टीवीडोअर को दिवंगत ठहराया जाता अथवा उसके लिक्विडेशन में जाने से पोर्ट के किमी कार्य में बाधार्थ आना,
- (vii) अन्य व्यक्ति अथवा पार्टी को शिकमी देना (सब-लेटिंग),
- (viii) मजदूरों को किमी भी प्रकार का गैर-कानूनी पैसा देना अथवा गैर कानूनी काम करने पर उकसाना, और
- (ix) ऐसा दुर्व्यवहार जो अध्यक्ष के मतानुसार लाइसेंस रद्द करने अथवा निर्वहित रखने का बंड देने के लिए पाब हो।

एच. पुनः क्रमांकित विनियम 13 के बाद निम्न विनियम 14 और 15 शामिल किया जाए :

“14. अपील

- (1) इन विनियमों के अंतर्गत जारी किमी आदेश की वजह से किमी व्यक्ति को किमी भी प्रकार का अनुकूलता पहुंचता है, तो ऐसा आदेश प्राप्त होने की तिथि से 30 दिनों के अंदर वह केन्द्र सरकार से लिखित अपील कर सकता है।
- (2) अपीलकर्ता को मुनबाई का मार्का देने के बाद केन्द्र सरकार अपने मतानुसार उचित आदेश जारी करेगी,
- (3) उप विनियम (1) में उल्लिखित किमी भी बात के होते हुए भी, निर्धारित अवधि में आवेदन प्रस्तुत न करने के आवेदक द्वारा दिए गए कारण पर्याप्त है, इस बात से यदि केन्द्र सरकार सन्तुष्ट है, तो 30 दिन की अवधि के बाद भी अपील स्वीकार किया जा सकता है।

“15. इन विनियमों में निहित किसी बात के होने हुए भी स्टीवीडोअरिंग लाइसेंस जो उन सशोधन विनियमों के जारी होने की तारीख की लागू होगा, इन विनियमों के अधीन जारी किया जाएगा और ऐसे लाइसेंस के समाप्त होने की अवधि तक विधिमार्ग हागा।

[फा. म. पी. आर. 21011/5/87-पी जी]

मंबई पोर्ट के विश्वस्त मंडल के

आदेशानुसार

मो. का. आ.उल्य, सचिव

MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT

(Ports Wing)

NOTIFICATION

New Delhi, the 8th November, 1989

G.S.R. 1002(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (i) of Section 124 read with sub-section (i) of Section 132 of the Major Port Trusts Act 1963 (38 of 1963), the Central Government hereby approve (with Modification the Bombay Port Trust (Licensing of Stevedores and Allied Matters) Amendment Regulations, 1989, made by the Board of Trustees of Bombay Port in exercise of the powers conferred on them by Section 123 of the said Act and published in the Maharashtra Government Gazette dated 6 July, 1989 and 13th July, 1989 as detailed in Schedule annexed to this Notification.

SCHEDULE

The following amendments which the Board of Trustees of the Port of Bombay have made, in exercise of the powers conferred by sub-section (f) to (o) of section 123 of the Major Port Trusts Act, 1963 (Act 38 of 1963), further to amend the Bombay Port Trust (Licensing of Stevedores and Allied Matters) Amendment Regulations, 1988, are hereby published as required by sub-section (2) of section 124 of the said Act for the information of all persons likely to be affected thereby and notice is given that approval of the Central Government to the said amendment will be applied for on or after the expiry of a period of fourteen days from the date on which the said amendment is first published in the Gazette, namely,—

1. These regulations shall be called the Bombay Port Trust (Licensing of Stevedores and Allied Matters) Amendment Regulations, 1988.
2. They shall come into force on the date on which the Central Government's approval thereto is published in the official gazette.
3. A. In regulation 3, after the existing sub-regulation (v), the following sub-regulation (vi) shall be added :

“(vi) ‘Stevedore’ means a person to whom a stevedoring licence has been given under regulation 4” and includes a person who is a stevedore by virtue of Regulation 15.

- B. In regulation 4, the following shall be substituted for the existing sub-regulation (1) :

“The Chairman may, on application, issue stevedoring licence for a period of two years or such shorter period as he may consider proper, to companies, firms or individuals to perform the work of landing and shipping of goods between vessels in the port and the wharves, piers, quays or docks be-

longing to or in the possession of the Board and any other work involved in stevedoring in the port."

C. In regulation 4, in sub-regulation (3)—

(i) in clause (a), after the words "shipping companies|charterers of ships", the words, "owner of cargo" shall be inserted;

(ii) the existing clauses (b) and (c) shall be re-numbered as (d) and (e) and the following clauses (b) and (c) shall be inserted :

"(b) produces evidence that he has maintained|would maintain the input|output norms of handling different commodities as may be laid down from time to time".

"(c) The vessel owners, vessel operators, steamers agents and importers and exporters would also be eligible for grant of a licence".

(iii) re-numbered clause (d) may be re-worded as under :

"(e) produces proof of his financial stability to meet the obligation to labour and staff employed on account of wages and compensation under the Workmen's Compensation Act, 1923, the Payment of Wages Act, 1936, the Industrial Disputes Act, 1947, and/or any other law in force at that time";

(iv) in the re-numbered clause (e), for the words "in his employment such minimum staff", the words "in his employment such minimum qualified staff and have in his possession such minimum gear and equipment" shall be substituted;

(v) after the re-numbered clause (e), the following clause (f) shall be inserted :

"(f) produces a bank guarantee for Rupees one lakh so as to meet any contingency."

D. In regulation 5,

(i) in the second line, for the word "Board", the word "Chairman" shall be substituted;

(ii) after condition 13, the following shall be added as condition 13(a) :

"13(a) He shall provide the workers necessary protective safety "appliances appropriate for the type of cargo".

(iii) after condition 18, the following two conditions shall be added :

"19. He shall undertake to pay the workers engaged by him wages in accordance with the terms of wage settlement arrived at between the appropriate authority and the federations of port and dock workers from time to time.

"20. He shall not assign, transfer or in any manner part with any interest or benefit in or under the licence to any other person without the prior approval, in writing, of the Chairman.

E. In regulation 6,

(i) in sub-regulation (i) in Form 'A'—

Application form for the grant|renewal of stevedoring licence,

(a) in item 4, after the words "with a steamship company", the words "charterer of ships|owner of cargo" shall be inserted;

(b) in item 8, the words in bracket "(not applicable in the case of renewal of licence)" shall be deleted.

(ii) For the existing sub-regulation (ii), the following shall be substituted :

"The applicant shall pay a licence fee of Rs. 4,500, or such fee as may be decided by the Chairman from time to time before the licence is issued or renewed. Every licensed stevedors shall deposit a sum of Rs. 5,000 as earnest money for the proper performance of the work permitted under the licence. The earnest money shall not carry any interest and will be refunded when the licence ceases to operate after adjusting claims, if any, to the Board."

(iii) The existing sub-regulation (iii) shall be re-numbered as sub-regulation (iv) and the following shall be added as sub-regulation (iii):

"(iii) Every licence granted or renewed under these regulations shall be in Form 'B'."

(iv) The re-numbered sub-regulation (iv) shall be re-worded as under :

"(iv) Applications for renewal of the licence shall be made at least three months before the expiry of the licence. If an application for the renewal is not received within the stipulated period, the application may be accepted on payment of a late fee of Rs. 50 for each day of delay, or such fee as may be prescribed by the Chairman from time to time, provided the application for renewal, together with such late fee is received by the Docks Manager before the actual date of expiry of the licence".

(v) After the re-numbered sub-regulation (iv) the following sub-regulation (v) shall be added :

"(v) In the event of loss or defacing of the original licence, the stevedore may apply to the Docks Manager for a duplicate licence on payment of Rs. 100".

F. The existing regulations 10, 11 and 12 shall be re-numbered as regulations 11, 12 and 13 and the following regulation 10 shall be added :

"10. The Chairman shall report any violation of the terms and conditions of the stevedoring licence by the stevedore to the Government and may, pending enquiry, suspend for a period not exceeding three months, licence issued to the stevedore if he finds it expedient and necessary to do so in the interest of the port".

G. The following regulation shall be substituted for the re-numbered regulation 11, except the proviso clause to the regulation :

"11. The Chairman may at any time suspend for such periods as he may deem fit or cancel the licence issued to a stevedore for violation of any of the terms of licence or for any of the reasons listed below :

- (i) violation of safety precautions;
- (ii) low productivity;
- (iii) lack of supervision over the stevedoring work;
- (iv) improper and unsafe handling of packages;
- (v) mis-representation or mis-statement of facts;
- (vi) stevedore being adjudged insolvent or going in liquidation causing obstruction to any work in the port;
- (vii) sub-letting to any other individual or party;
- (viii) making payment of illegal gratification by whatever name called or in form of illegal inducement to the workers; and

(ix) misconduct which in the opinion of the Chairman warrants such cancellation or suspension."

H. After the re-numbered regulation 13, the following regulations 14 and 15 will be added :

"14. Appeal

- (1) Any person aggrieved by any order under these regulations may prefer an appeal, in writing, to the Central Government within thirty days of the communication of the order appealed against.
- (2) The Central Government shall pass such order on the appeal as it deems fit after giving an opportunity of being heard to the appellant.
- (3) Notwithstanding anything contained in sub-regulation (1), an appeal may be admitted after the period of thirty days if the appellant satisfies the Central Government that he had sufficient cause for not making an application within such period".

"15. Notwithstanding anything contained in these Regulations, stevedoring licence which may be in force on the date of issue of these Amendment Regulations shall be deemed to have been issued under these Regulations and shall continue to be valid till the expiry of the period of such licences".

[F. No. PR-21011/5/87-PG]

By Order of the Board of
Trustees of the Port of
Bombay,
S. K. ATHALYE, Secy.

